



पीयू परीक्षा } 12 वीं में भी लड़कियों ने लहराया परचम

## बेटियां फिर अक्ल

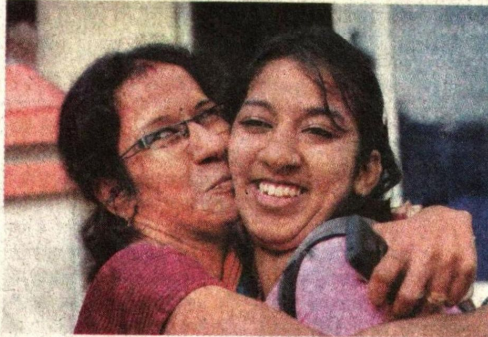
■ तीनों संकायों में ही रही शीर्ष पर

■ दशक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

बेंगलूर

bangaluru@patrika.com

दसवीं बोर्ड के बाद अब पीयू परीक्षा में भी बेटियों ने अपना परचम लहराया है। पीयू परीक्षा के तीनों संकायों में लाइलियों ने अक्ल रहकर नाम रोशन किया है। इस साल राज्य में प्री-यूनिवर्सिटी द्वितीय (12वीं) की परीक्षा में 57.03 फीसदी विद्यार्थी सफल हुए हैं। पिछले एक दशक में 12वीं का यह सबसे बेहतर परिणाम है। पिछले दस सालों के दौरान 12 वीं का परीक्षा परिणाम 41.31 फीसदी (वर्ष 2008) और 53.94 फीसदी (वर्ष 2006) के बीच रहा है। जबकि पिछले साल परिणाम 48.93 फीसदी रहा था। बुधवार को प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा मंत्री विश्वेश्वर हेगड़े कागरी ने मल्लेश्वरम स्थित पीयू शिक्षा विभाग के कार्यालय में परीक्षाफलों की घोषणा की। परीक्षा परिणाम 57.03 फीसदी रहा, इसमें नियमित अभ्यर्थियों का परिणाम 69.59 फीसदी व स्वतंत्र विद्यार्थियों का 25.01 फीसदी परिणाम रहा। मंगलौर 85.70 फीसदी परिणाम के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि 32.21 फीसदी के साथ यादगीर अंतिम पायदान पर रहा।



बेंगलूर में बुधवार को बारहवीं के वाणिज्य संकाय में अक्ल आई रवीना जैन मां के साथ।

**रवीना, दीपा, शशिकला रही अक्ल**

बेंगलूर के महावीर जैन कॉलेज की छात्रा रवीना जैन ने 98.50 फीसदी अंक प्राप्त कर वाणिज्य संकाय में प्रथम स्थान हासिल किया। मल्लेश्वरम स्थित एमईएस किशोर केन्द्र की छात्रा दीपा 98.83 फीसदी अंक पाकर विज्ञान संकाय में अक्ल रही।

धारवाड़ के उज्जयिनी सिद्धलिंग जयगुरू पीयू कॉलेज की छात्रा

शशिकला डबल्ली 94.83 फीसदी अंक के साथ कला संकाय में शीर्ष पर रही।

**लड़कियों का रहा दबदबा**

छात्र-छात्राओं के रूप में नतीजों का आकलन किया जाए तो नियमित अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं का परिणाम छात्रों की तुलना में लगभग 20 फीसदी अधिक यानी 74.30 फीसदी रहा। परीक्षा में केवल 54.58 फीसदी छात्र ही सफल हो सके। [पढ़ें बेटियां @ पेज 2](#)